मूल्य का परिचय

07 WK 06 | DAY 038-327 THURSDAY 2019 FEBRUARY

मूल्य का परिचय ⇒ "मूल्य शिक्षा का अभिप्राय उस शिक्षा से है जिसमें हमारे नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य समाहित हैं इसके अन्तर्गत विभिन्न विषयों में मनोवैज्ञानिक ढंग से मूल्य समाहित करके उन्हें छात्र के व्यक्तित्व में समाहित किया जाता है। मूल्य शिक्षा का मुख्य कार्य छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास एवं मानव बुद्धि के सभी आयामों को विकसित करना है ताकि हमारे राष्ट्र को लोकतांत्रिक, समाजवादी, सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकें।

हॉडलर के अनुसार - "मूल्य एक मानव विश्वास है जिसके आधार पर मनुष्य वरीयता प्रदान करते हुए कार्य करता है।"

मूल्य की परिभाषा नहीं हो सकती है यह कथन किसका है — जी० ई० मूर का

Que. शैक्षिक मूल्यों के कितने प्रकार हैं?
Ans — 5 पाँच

Que - परम मूल्य कितने हैं —
A — 3

Q — सार्वभौमिक मूल्य कितने हैं?
Ans — 5 पाँच

अशाब्दिक परीक्षण के 'चित्र बनाओ' नामक प्रथम कार्य में दस आकृतियाँ दी गई होती हैं प्रत्येक आकृति को एक अंग मानकर ऐसा चित्र बनाना होता है जिसे कोई अन्य न सोच सके तथा उस चित्र का शीर्षक भी लिखना होता है। 'चित्र पूर्ति व शीर्षक बताओ' नामक दूसरे कार्य में दस अपूर्ण आकृतियाँ दी गई होती हैं इन प्रत्येक आकृति को पूरा करके नवीन व रोचक चित्र बनाने होते हैं तथा चित्रों के शीर्षक देने होते हैं। 'त्रिभुजाकार व अण्डाकार आकृतियाँ' नामक तीसरे कार्य के अन्तर्गत 7 त्रिभुजाकार व 7 अण्डाकार आकृतियाँ दी गई होती हैं इन प्रत्येक आकृति को अंग मानकर नवीन व रोचक चित्र बनाने होते हैं तथा चित्रों के शीर्षक भी लिखने होते हैं। इन तीनों कार्यों के लिए क्रमशः 10, 15, 10 मि० का समय निर्धारित है। इस प्रकार से अशाब्दिक परीक्षण में कुल 35 मि० का समय प्रयोज्य को कार्य करने हेतु दिया जाता है। इस अशाब्दिक परीक्षण के द्वारा विस्तारण (Elaboration) तथा मौलिकता (Originality) नामक दो सृजनात्मक कारकों का मापन होता है।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA
Scanned with CamScanner

खाना खाने की आवश्यकता न रहे) के सत्य हो जाने पर होने वाले परिणामों / परिवर्तनों को अधिक से अधिक संख्या मे बताने के लिए कहा जाता है। "वस्तुओं के नये-नये प्रयोग" कार्य के अन्तर्गत तीन वस्तुओं (पत्थर का टुकड़ा, लकड़ी की छड़ी तथा पानी) के नये-नये विचित्र तथा रोचक प्रयोग लिखने होते हैं। नये सम्बन्ध पता लगाना कार्य में शब्दों के तीन युग्मों (पेड़ व मकान, कुर्सी व सीढ़ी तथा हवा व पानी) के शब्दों में परस्पर विभिन्न सम्बन्धों को प्रस्तुत करना होता है। वस्तुओं को मनोरंजक बनाना कार्य में घोड़े के साधारण खिलौने को अधिक मनोरंजक बनाने के लिए उसमें अधिक से अधिक परिवर्तन बताने होते हैं। इन चारों कार्यों के लिए क्रमशः 12, 15, 15 तथा 6 मि० का समय दिया जाता है। इस प्रकार से शाब्दिक परीक्षण में कुल 48 मि० का समय वास्तविक परीक्षण हेतु प्रयोज्यों को दिया जाता है। इस शाब्दिक परीक्षण के द्वारा सृजनात्मकता के तीन कारकों यथा - प्रवाह (Fluency) विविधता (Flexibility) तथा मौलिकता (Originality) का मापन होता है।

बाकर मेंहदी द्वारा निर्मित दूसरा परीक्षण जो कि सृजनात्मक का एक अशाब्दिक परीक्षण है तथा वस्तुतः चित्रिक सृजनात्मकता (Drawing Creativity) का मापन करता है के अन्तर्गत तीन कार्य सम्मिलित किये गये हैं।

4 –

बाकर मेंहदी के सृजनात्मक चिन्तन परीक्षण
Baqur Mehdi's Tests of Creative Thinking

अलीगढ़ के बाकर मेंहदी (Baqur Mehdi) के द्वारा निर्मित सृजनात्मक चिन्तन को इस परीक्षण श्रृंखला में दो परीक्षण —

(1) सृजनात्मक चिन्तन का शाब्दिक परीक्षण (Verbal Test of Creative Thinking)

(2) सृजनात्मक चिन्तन चित्रों द्वारा (Thinking Creativity with Figures) है। पहला परीक्षण जो कि शाब्दिक परीक्षण है में निम्न चार कार्य सम्पादित करवाये जाते हैं। —

(1) — यदि ऐसा हो जाये तो (Consequences Test
(2) वस्तुओं के नये-2 प्रयोग (Unusual Uses Test
(3) नये सम्बन्ध पता लगाना (New Relationship Test
(4) वस्तुओं को मनोरंजक बनाना (Product Improvement Test)

यदि ऐसा हो जाये तो कार्य के अन्तर्गत तीन असामान्य घटनायें दी जाती हैं जैसे मनुष्य उड़ने लगे, विद्यालय में पहिये लग जाय तथा

प्लास्टिक के टुकड़ों को बॉक्स के रूप में व्यवस्थित करना होता है। ब्लॉक परीक्षण में 14 घनों (Cubes) व 12 अर्द्ध घनों (Semicubes) को देकर अधिक से अधिक विभिन्न आकृतियाँ बनाने व उनके शीर्षक देने के लिए कहा जाता है। प्रथम चार परीक्षणों को व्यक्तिगत परीक्षण अथवा सामूहिक परीक्षण (30 प्रयोज्यों तक के समूह में) द्वारा ही ढंग से प्रशासित किया जा सकता है। पाँचवे परीक्षण को व्यक्तिगत रूप से 6 प्रयोज्यों तक के समूह में दोनों ही ढंग से प्रकाशित किया जाता है। अन्तिम परीक्षण को केवल व्यक्तिगत ढंग से ही प्रशासित किया जा सकता है। इन छहों परीक्षण के लिए क्रमशः 8, 8, 8, 6, 40 तथा 10 मि० का समय निर्धारित किया गया है। इस प्रकार से कुल 1 घंटा 20 मि० का समय वास्तविक परीक्षण कार्य में लगता है।

इस परीक्षण श्रृंखला पर कुल सृजनात्मकता सहित 15 विभिन्न प्रकार के प्राप्तांक प्राप्त किये जा सकते हैं।

स्पष्ट है कि इस परीक्षण में शाब्दिक तथा अशाब्दिक दोनों ही प्रकार के सृजनात्मक कार्य सम्मिलित किये गये हैं। परीक्षण पर कुल सृजनात्मकता प्राप्तांक के साथ-2 चौदह अन्य विभिन्न प्राप्तांक भी प्राप्त होते। यद्यपि इस परीक्षण की परीक्षण निर्देशिका अंग्रेजी भाषा में है परन्तु परीक्षण पुस्तिकाएँ हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में उपलब्ध है।

Scanned with CamScanner

पासी के सृजनात्मकता परीक्षण (Passi's Test of Creativity)

इन्दौर के B. K. पासी (B. K. Passi बी के पासी) के द्वारा 1972 ई० में स्कूल बालकों की सृजनात्मकता का मापन करने के लिये निर्मित इस सृजनात्मकता परीक्षण में निम्नलिखित 6 उपपरीक्षण सम्मिलित होते हैं।

ये शाब्दिक हैं

1- समस्या जाँच परीक्षण (Seeing Problem Test)
2- असामान्य उपयोग परीक्षण (Unusual Uses Test)
3- परिणाम परीक्षण (Consequences Test)
4- प्रश्नात्मक योग्यता परीक्षण (Test of Inquisitiveness)
5 वर्ग पहेली परीक्षण (Square Puzzle Test)
6- ~~ब्लाक~~ परीक्षण (Blocks Test)

इनमें से प्रथम तीन परीक्षण शाब्दिक परीक्षण हैं, एक परीक्षण में अशाब्दिक उद्दीपन होते हुये भी शाब्दिक प्रतिक्रियाएं देनी होती हैं तथा अन्तिम दो परीक्षणों की प्रकृति पूर्णतः अशाब्दिक है। समस्या जाँच परीक्षण में चार दैनिक उपयोग की वस्तुओं (जूता, पेन, कुर्सी व पोस्टकार्ड) के दोष तथा इनके प्रयोग में आने वाली समस्याएं बताने के लिए कहा जाता है। असामान्य प्रयोग परीक्षण में दो वस्तुओं (कपड़े का टुकड़ा व बोतल) के अधिक से अधिक साधारण व मनोरंजक उपयोग बताने के लिए कहा जाता है। परिणाम परीक्षण के अन्तर्गत चार असम्भव घटनाओं (मानव के उड़ने, घरों के उड़ने, सभी के पागल हो व स्त्रियों के पुरुष हो जाने) के परिणामों को सोचने के लिए कहा जाता है। प्रश्नात्मक योग्यता परीक्षण में किन्हीं दिखाई गई वस्तुओं से सम्बन्धित अधिकाधिक प्रश्न पूछने के लिए कहा जाता है। वर्ग परीक्षण में दिये गये पाँच त्रिभुजाकार व पाँच चतुर्भुजाकार